

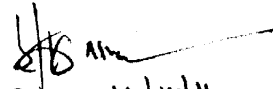
राजस्थान सरकार
Government of Rajasthan
निदेशालय, खान एवं भू विज्ञान विभाग
DIRECTORATE OF MINES & GEOLOGY,
खनिज भवन/Khanij Bhawan, उदयपुर/Udaipur-313001.
दूरभाष/Phones: 2415091-95, फेक्स/Fax: (0294)-2410526
क्रमांक:निखाभू/प्रधान/विविध/2011/2262 दिनांक 23-12-11

—: परिपत्र :-

प्रायः यह देखा गया है कि प्रधान खनिज के खनन पट्टे एवं पूर्वक्षण अनुज्ञापत्र के आवेदन पत्रों के निस्तारण के संदर्भ में खनि अभियन्ता/सहायक खनि अभियन्ता आवेदकों को समय पर नोटिस जारी नहीं करते हैं एवं नोटिस जो जारी किये जाते हैं उसमें भी सभी कमियों को एक साथ नहीं दर्शाते हैं जिससे आवेदन पत्रों के निस्तारण में काफी विलम्ब होता है। अतः सभी खनि अभियन्ता/सहायक खनि अभियन्ताओं को निर्देश दिये जाते हैं कि वे आवेदन पत्र प्राप्त होते ही 7 दिवस में आवेदन पत्र में पायी गयी कमियों की पूर्ति करने हेतु स्पष्ट नोटिस जारी करें। पूर्व के प्राप्त आवेदन पत्रों में यदि अभी तक स्पष्ट नोटिस जारी नहीं किया गया है तो अब भी नोटिस जारी कर शासन द्वारा दिनांक 1-1-12 से 29-2-12 चलाए जाने वाले अभियान अवधि में आवेदन पत्रों का निस्तारण करावें।

- आवेदन पत्रों के निस्तारण में निम्न बिन्दुओं का ध्यान रखते हुए कार्यवाही करावें।
- 1-यदि आवेदित क्षेत्र अरावली में आता है तो माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयानुसार नये खनन पट्टे/पूर्वक्षण अनुज्ञापत्र स्वीकृत नहीं किये जाने हैं, अतः केवल इस आशय का नोटिस जारी कर खनन पट्टा/पूर्वक्षण अनुज्ञापत्र अस्वीकृत करने की कार्यवाही की जावे अथवा सक्षम अधिकारी को प्रस्ताव पढाये जावे।
 - 2- यदि आवेदित क्षेत्र पूर्व में स्वीकृत एवं धृत खनन पट्टो से विरोधित होता है अथवा विभागीय पूर्वक्षण हेतु आरक्षित क्षेत्र से विरोधित होता है अथवा प्रिमेच्योर श्रेणी में आता है तो इस आशय का नोटिस जारी कर कि आवेदित क्षेत्र रिक्त नहीं है, आवेदन पत्र अस्वीकृति के प्रस्ताव पढाये जावे।
 - 3- यदि एक ही तिथि को एक ही क्षेत्र पर दो या दो से अधिक आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं एवं आवेदित क्षेत्र स्वीकृति हेतु रिक्त है तथा अरावली में नहीं आता है तो एम.एम.आर.डी. एक्ट 1957 की धारा 11(3) के तहत प्राथमिकता का नोटिस जारी कर प्रस्ताव पढाये जावे।
 - 4- यदि आवेदित क्षेत्र स्वीकृति हेतु रिक्त है तो आवेदक को आवेदित क्षेत्र का सीमांकन पट्टवारी की उपस्थिति में कराने हेतु नोटिस जारी किया जावे एवं यदि आवेदित क्षेत्र में चारागाह भूमि आती है तो राजस्व विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु नोटिस जारी किया जावे। खातेदारी भूमि आती है तो संबधित खातेदार से सहमति प्राप्त कर शपथ पत्र प्रस्तुत करने हेतु नोटिस जारी किया जावे।

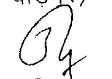
उपरोक्त की पालना नहीं करने पर अस्वीकृति के प्रस्ताव पढाये जावे एवं पालना पूर्ण होने पर स्वीकृति के प्रस्ताव पढाये जावे। इस अनुसार सभी लंबित आवेदन पत्रों में शीघ्र कार्यवाही कर राज्य सरकार द्वारा चलाये गये अभियान अवधि में सभी आवेदनपत्रों का निस्तारण करने की कार्यवाही करावें अन्यथा आपके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही अपनायी जावेगी तथा राज्य सरकार द्वारा संलग्न प्रपत्र के अनुसार सूचना प्रत्येक 15 दिवस में निदेशालय को एवं शासन को प्रेषित करावें।


निदेशक 22/12/11.
खान एवं भू विज्ञान विभाग
राजस्थान-उदयपुर
दिनांक 23/12/11

क्रमांक - सम / 2263 से 2311

प्रतिलिपि निम्नांकित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु -

- 1-अतिरिक्त निदेशक (खान), जयपुर/जोधपुर/ उदयपुर।
- 3-अधीक्षण खनि अभियन्ता, वृत्त जयपुर/जोधपुर/उदयपुर/बीकानेर/भरतपुर/कोटा/भीलवाडा।
- 4-खनि अभियन्ता, जयपुर/अजमेर/ जोधपुर/ उदयपुर/ कोटा/ बीकानेर/सिरोही
/धोलपुर/सोजत/ नागौर/ मकराना/ सीकर/ अलवर/भरतपुर/आमेट/ राजसमंद-
प्रथम/राजसमंद द्वितीय/ रामगंजमण्डी/ बूंदी प्रथम/ बूंदी द्वितीय/ भीलवाडा/
चित्तौड़गढ़/ बिजौलिया/ प्रतापगढ़/करोली।
- 5-सहायक खनि अभियन्ता सलुम्बर/ ऋषभदेव/ डूंगरपुर/ बांसवाडा/ निम्बाहेड़ा/
गोटन/ टोंक/ जालोर/ कोटपुतली/ जैसलमेर/ श्रीगंगानगर/ बाडमेर/ बालेसर/
झालावाड।


अधीक्षण खनि अभियन्ता (मु.॥)